



ASHA ARCHIVES

1.669

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

1.669

ASHA ARCHIVES

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

व्यवस्थितं व्यवस्थितं सोमं
आविष्टं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं



वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ यदि
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं
व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं

हीमा उग्र उग्र यवाकमा ॥ दानयात्रमितादं विषयं निदिधिव्ययिनि ॥ निष्ठा
नसर्वमांगलाकिर्निलस्त्रियससुतादहनिमात्रनिचंदि सवधिसेवमाहि का ॥
कृतां नृणां सन्निरिमा कोमा विविस्व व्ययिनि ॥ विर्ययात्रमितादं विजगदा
नंदलावनि ॥ नायसि उग्र व्ययिव अविस्त्रियवलयदा ॥ दानयंत्रमाहाताम
मृजिताजिनविक्रमा ॥ जगदेकहिनायुका संग्रामात्रनिगुता ॥ ज्ञानिया
त्रमितादं विस्त्रिलनीष्ठा नक्षयिनि ॥ वीर्यत्रियमवविच यममासनमास
नी ॥ शुधव्यिमहान जाह मवर्तय ताकवि ॥ चिंतामनिवविद विपुलायूक्त

क क विनि ॥ निधन क न मा नू धा धा न्ना ग व ध न थि या ॥ न धा नु कं मा हा नू दि दि
 वा ह व ध धि नि ॥ मा न धि स र्व व ध न्नां च त्र धा न स्व व स्व वा ॥ स न्ना मा ता वि नि
 र वि ता वां ता व वि व र्ज नि ॥ वे न्नी य कि वि नि ता च ध धि नि क्क म र्दु द नि ॥
 हिं द नि स र्व मा वा न्नां स य या ना ल ऊ र नि ॥ वा स नी व द मा ना च गु ध वा न गु
 ध वा सि नि स च स्व नि वि सा वा जि न रु व र्ध वि हा वि नि ॥ न धा ग नि म ही व मा ॥ २
 व डि नि ध र्म धा वि नि क र्म धा न स्व वा वि या वि स्व का ला ह म धु ली वा ध नि स र्व
 मा ला नां वा धा ग क न ॥ अ ध वि ध ना दि मू कि सं य न्न अ र्द या ह य हा वि नि स र्व ॥ दि ॥

र्थ सा ध नि रु डा वि नू या मि न वि क मा द र्ग नी व ध मा र्ग नां न र्द मा र्ग ध र्द र्ग नी ॥
 वा गी स्व वा मो हा सां नि ग वि धा नि व नं द या ॥ द र्ग नी व ध मा र्ग नां न र्द मा र्ग ध
 र ॥ वा गी स्व वा मा हा सां नि ग वि धा नि व नं द या ॥ मि नू या धा व नी सि धा या मि
 नि या ग म स्व नि ॥ म ना ह वि म हा कां नि स र्ग ग यी य द र्ग ना ॥ सार्थ वा ह क
 या वृ धि स र्व ना धा ग ना स की ॥ न म र्क रु म हा द वि स र्व स र्वा र्थ दा य नी न
 म मु न रि च व धि च व रु धा वा न म मु न ॥ अ स्ता न च स र्ग नां म नि का ल य
 य धा दि मा या प्रो नि ति य नं सि धि मि मि यं स म ना र्थ य द हा ना क नं या य मा

卷之四

नमयस्सदा नमः नमः सर्वज
कं मूथवा मिल संये न सय
दय वाक्च व नये वा नयीः
आदय मय जाय न ये न
फ सुखा व नि ॥ १०० ॥

त्रियत्रियपाय ॥

विद्यावना



पयिष्ठांति स्म वना नाम रुद्र
 जानि स्म वात वरुणी यश्च
 यदर्थने ॥ विष्णु ऊही यश्च
 तस्मिन् वनायां पश्चात्
 निशावसन्नामानाम्
 ॥ ४ ॥ नमो भगवते
 ॥ सुवन्द्यमायुः

३
म

भक्तसिद्धसमयतगवानवकषूविहवनिमम॥ सर्वसन्निवन्वजसममधि
 शायवर्जकोवलयवर्जसुयदलायनमम॥ अकथंअरुथंमन्यदरु
 थिअंसर्वनायुनिहन्मं सर्वसायनाजिनामर्वसखविदायनकबं॥ सर्व
 सखसादनकबं सर्वविद्यादुदनकबं॥ सर्वविद्यासुहनकबं सर्व
 कर्माविधंसनकबं यनकर्मविधंसनकबं॥ सर्वगुरुसादनकबं सर्वगुरुवि
 मादनकबं सर्वरुनायकबं॥ सर्वविद्यामनुकर्मपरायनं आसिधेनासि
 धकबं॥ सिधेनावायिनासनकबं सर्वकर्मपुदसर्वसत्त्वानां वजनकबं सा

॥ स्व ॥ त्रिकं यद्विकं सर्वसत्त्वानां क्लृप्तकचं सर्वसत्त्वानां माहृतकचं ॥ ॐ मासकुम
 वलवृक्षानुमाहावयायुक्तुं वज्रयानि युक्तुं हाषने स्म ॥ ॐ नमः वलवृक्षाय ॥
 नयथा ॥ ॐ नमः २ शानय २ स्तन २ स्तनय २ घन २ घनय २ सर्वसत्त्वानां वाधय
 २ संवाधय २ कुस २ कुसय २ कुस २ कुसय २ सर्वतनानि कुट २ संकुनय २ सर्वसकु
 न घन २ संघनय २ सर्वविधा वज्र स्तनय २ वज्र कन २ वज्र मन २ वज्र वजादिहा
 सनीलवज्रसुवजाय स्वाहा ॥ ॐ हं हं हं मस्तु लयनरुलनिरुलकु २ वज्र
 विजयाय स्वाहा ॥ ॐ वज्र किलिकिलाय स्वाहा ॥ ॐ कन २ मन २ वन २ भाननय

४
॥ म् ॥

माहृतनाय स्वाहा ॥ ॐ वल २ निवल २ रुन २ मव २ मावय २ वज्र विदा वनाय स्वाहा ॥
 ॐ दि २ रि २ रि २ माहा वज्र किलिकिलाय स्वाहा ॥ ॐ व २ व २ कोधमहा किलिकि
 लाय स्वाहा ॥ ॐ व २ व २ व २ किलिकिलाय स्वाहा ॥ ॐ कुसय २ वज्र किलिकि
 लाय स्वाहा ॥ ॐ हं २ व २ व २ व २ वाय स्वाहा ॥ ॐ प्रहृ २ वज्र युतं जनाय स्वाहा ॥
 ॐ मनिस्थिवज्र युनिस्थिवज्र माहा वज्र मयुनिह न वज्र यरुहिवज्र
 वजाय स्वाहा ॥ ॐ व २ व २ धि २ धि २ व २ सर्ववर्ज कु २ मावर्जय स्वाहा ॥ मम २
 वसकु मावय २ हं रुट् स्वाहा ॥ ॐ नमः २ समंत वज्रानां सर्ववलमावर्जय स्वाहा

॥ म ॥

पिसुखिवस्तुनवासिनं उक्तः
प्रसक्तं जयनवजविदावन
वयुनादिनाके मुनन ४ मय
रगवानाहमनास्तववजया
प्रिति ॥ ॥ ॐ नितुग्रीआ
अवनिस्माफ ४ ॥
यतिरुदयायो ॥ ॥ नुव



विंसनिवावावावावावावावा
मकुक्ताययसाधिवसदाय
यमुतं ॥ ॥ ॐ दं मवावम
निरुगवनताधिनमननंद
र्यावजविदावनरुदयमंअ ॥ ॥ ॐ
॥ ॐ नमाहगवम्यआर्यगन
मयाधुनंमकस्मिन्मयह

ॐ
॥ ॐ ॥

गवानवाजगृहविहवनिस्तगृधकनयवनमहनातिरुसयनसार्धमर्धमुया
दमर्हिर्हिंरुसनेसंवरुलेधवाधिसेचमहासत्त्वगनखल्यूनसमयतहगवा
न ॥ यथांनमानंदमामंनुयनस्म ४ ॥ यकश्चित्कूलयुजुआनंदं ॐ मानिगनय
निरुदयानि ॥ अवयिष्यनिवावयिष्यनिपर्यावोष्णंनिपुवर्मयिष्यति तस्मा
सर्वकार्यानिस्मिन्निरुविष्यंनि ४ ॥ नयथा ॥ ॥ ॐ नमास्तुतेमहागनय
नयस्वाहा ॥ ॥ ॐ गगगगगगगग ॥ ८ ॥ ॐ गनयनयस्वाहा ॥ ॐ ग
धधियनयस्वाहा ॥ ॐ गनयस्वाहा ॥ ॐ गनयनियुजिनायस्वाहा ॥

॥ म ॥ **ॐ गन स वा य स्वाहा ॥ ॐ गन गन य नि यू जि ना य स्वाहा ॥ ॐ क ट २ म न २ द व २ वि द**
२ २ रु न २ गृ क २ ख व २ त क य २ स म्म २ मा रु २ द रु २ द दाय य २ ध ना दि मि धि
म यु य रु ॥ ॐ न मा नू दा व व ना य स्वाहा ॥ ॐ नू द न न वि द हि कू वि रु मे हा
स मा ग रु नि म हा त य म हा व ल य वा क म म हा रु सि द जि ना य पु ता द दाय य
स्वाहा ॥ ॐ न मा नू न म हा ग ध य न य स्वाहा ॥ ॥ ॐ ग ग ग ग ग ग ग ग ॥ ॥ ॐ ॥
६ ॥ ॐ ग न य न य स्वाहा ॥ ॐ ग षा धि य न य स्वाहा ॥ ॐ ग ध य नि यू जि ना य स्वा
हा ॥ ॐ ग षि स वा य स्वाहा ॥ ॐ ग न य नि यू जि ना य स्वाहा ॥ ॐ कू व २ स्वाहा

ॐ सु व २ स्वाहा ॥ ॐ सु व स्वाहा ॥ ॐ सु व २ स्वाहा ॥ ॐ दं मा नं द ग न य नि रु द य ४ ॥
य क वि कू ल य नू वा क ल रु हि ता वा हि कू वा नि कू नी उ या स का वा उ या णि का वा ॥
य क षि का य मा ल रु न मं नू सा ध न वा नि व ल य नू वा द मं न व ग म न वा वा कू
ल ग म न वा ॥ ॐ न व नं वा न न वू वा रु ग व न य नू वा कू ला नू य म हा ग न य नि रु द
य म प वा वा नू वा व यि न वं ॥ सर्व को र्णा नि न स सि द्धा नि ना रु मं ग य ४ सर्व क लि
क ले रु नि म द म लि ष नि न्यं स मे न वं सर्व य स मे ग रु नि ॥ दि न रि न क ल्य स मे
स्थ य सर्व स प वा वा नू वा व यि न वं ॥ म हा सो हा म रु वि षं नि ॥ वा कू ल ग म न

॥ म ॥

कालमहायुमादाहविष्यति ॥ अनिष्टवार्तविष्यति ॥ नवास्कार्यमाहावाधया
हविष्यति ॥ नकच्छिद्यन्मात्रं पुक्तिः ॥ श्वेताचलपुष्पं न ॥ त्रिगवताचलपुष्पं
॥ नवास्कार्यमाहावाधयाहविष्यति ॥ सज्जानो ज्ञानो ज्ञानि स्मवाहविष्यति ॥ ॥
॥ दं मवाधन ह गवासा न मना न ॥ इति ह माधमवाधनियर्षमय द मानुषा सु
वृगवृद गंधर्वश्चलाका ह गवता ताविन मनन न च निनि ॥ ॥ आ यो ॥ ॥ ॥
गनयति ह दयनामधनियर्षममाय ॥ ॥

॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥



स्त्रिषवि ऊ माये ॥
॥ समय ह गवासा सुखाद
॥ यमाद ह गवासा सुखाद
॥ वानर मितां ह नथागत
॥ धिसेत्व महासत्व मा मं
॥ वाह विमान सत्वा ता साधि
॥ न वां मर्था योहि माय सुखा

॥ वृ ॥

यच्छमां सर्वनथागनाऽस्त्रिषविजयानामक्षय्यहाचयट्टदसयययवाप्रयात्य
वस्यध्विस्तवनसंयुक्तसयन ॥ दिशय्यस्तनामयादायेनि ॥ अथस्वस्वायावे
लाकिनेस्ववावाधिसत्त्वउदायेसनायकासंयक्तनांजलियुक्ताहस्वाहगवेनः
मनदवाचन ॥ दसयंस्तुहगवान्सर्वनथागनाऽस्त्रिषविजयानामक्षय्यनिद
सयंस्तुसगन ॥ अथस्वस्वहगवान्सर्ववनिधयमदंलमवलाकिनश्रीयानाम
क्षयनिमसायययिमां सर्वनथागनाऽस्त्रिषविजयानामक्षय्यनिहायनं स्म ॥
उं नमाहगवन् सर्वनथाय्युनिविजिह्वायवृक्षयननमः ॥ नमथा ॥ उं उं

॥ ५ ॥

उं उं ॥ (गाथयश्चि) (गाथयश्चि) मसमसंतावतामंस्तुवनगनिगगवास्वताववि
सुह ॥ उस्त्रिषविजययविमूह ॥ अलिषिंवरुमां सर्वनथागनसगनवलवच
नामूडातिषकमहामूडामंस्तुयद ॥ अहवश्चयसंक्षयनि (गाथयश्चि) (गा
थयश्चि) गगवास्वतावविमूह ॥ उस्त्रिषविमलयविमूह ॥ सहगुवनिमसवादिना
सर्वनथागनवलकिनस्ववषयावमिनायविमयिनिमसर्वनथागनमाकुद
सहमिपुनिस्थितसर्वनथागनहृदयायनामधिहानाधिस्थित ॥ उं मूड
२महामूडवज्जकायसहप्रयविमूह सर्वकर्माववनविमूह ॥ पुनिनि

॥ वृ ॥

अवशिष्टं यानिकानि विस्तारयात् नृस्ययनं यानिकानि यित्महां माया यानिकानि
विद नया यक विद नया यक विद यदवाक विद वाया या साक विदा अस्मि
का ल या क विद वा उ व क विद वय सम उ य सं वृक्ष स्वा उ ल यं न सर्वा नि
ति सर्व गु उ वा ये य न न य धि न न द न न स न न स न व व न न ॥ ऊं ऊं ऊं
ऊं ॥ अति य धि न धि धि न मे न य दं म म सर्व स लो नां च न जां कुं व नु यः
वि नानं कुं व य वि य हं कुं व य वि या व नं कुं व द धु ये वि हा वं कुं व ॥ म सु
य वि हा वं कुं व या व नं वि व द ख नं कुं व आ ये य वि हा वं कुं व उ द क य वि

१२
॥ म ॥

हा वं कुं व का खा द रु द नं कुं व सि मा व ध नं कुं व ध नं वि वं ध नं कुं व न य
था ॥ उं अ म न २ अ म न ल वं अ म न स ल वं आ सो म् अ म न ग म ॥ मा व
य २ मा स २ स व स म उ य स म सर्व व्या धि न य स म सर्वा का व म नू नू य स म स
र्व गु ह नं कुं व य न य स म सर्व नु नां वा य स म ल ग व नि य नं स व नि नु न २ वि
नु न २ नु न २ नु व म स्वा हा ॥ उं आ वि गं ध वि वा धु वि मा नं गि य कं हि स्वा हा
उं अ कु लं कुं व य नं स व वि स्वा हा ॥ न म ४ स र्व स व नां म हा स व नां लं ग व नि
यि द वि य नं स व वि यि आ वि स्वा हा ॥ उं यि द वि य नं स व वि र्जी ४ रुं रुं रुं रुं

॥ १ ॥

विष्णुविष्णु ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

॥ ५ ॥

॥ ६ ॥

॥ ७ ॥



आर्यापन्नसर्वविनामः ॥

॥ ८ ॥

॥ ९ ॥

॥ १० ॥

॥ ११ ॥

॥ १२ ॥

॥ १३ ॥

१३

॥ १४ ॥

महासुखं ननु खलु गवान्ति कृमां मंयु यन स्यात् कृमिनि कृवा मा विविद वना
सा सूर्यवत्तु मस्यून मोहन गच्छति ॥ सा नदध्वनं नगृहं न न नवधनं न मूख
न न मूखं न न नदध्वनं न न न सक्तु मयगदुनि ॥ या यिन स्यादति कृ
वा मा विविद वना या ना म जाना मि सा यिन दध्वनं न न गृहं न ॥ न नि बूधनं न गृ
हं न न दध्वनं न न मयगदुनि ॥ सा हति कृवा मा विविद वना या
जाना मि ॥ मूहं मयिन दध्वनं न न गृहं न न न वधनं न मूखं न न नदः
ध्वनं न न दध्वनं न न सक्तु मयगदुनि ॥ मूहं मा नि मंयु यदो निर विषयं नि ॥ न

॥ सु ॥

यथा ॥ उं यवाक मसि उदयमसि वेदमसि अकंमसि मर्कमसि उर्ममसि वे
दमसि गुल्ममसि वीर्यमसि अरुधनमसि स्वाहा ॥ उं मावि विद वनायाय
धामां गायय वाऊ कलनां गायय धऊ नयननां गायय हसि हयना
मां गायय वा बरयनां गायय अग्निरयनां गायय उदकरयनां
गायय सर्वयुगधिक युगमिह नयनां गायय ॥ अंकुलषु मंकुलषु
नाकुलषु मूर्धिनषु समुद्रिनषु ॥ सिंहनाम वज्रनाम वज्रनाम वज्रनाम
नाम वज्र ॥ नयथा ॥ उं आला नाला मकुला मखमविनि वज्र २ मांसय

१४
॥ क ॥

जिवा वसव इ इ इ इ इ
वज्र वज्र वज्र वज्र वज्र
इ इ इ इ इ नां वज्र मुख
मा वि वि ना म धा व नि
उं न मा क ग व ना आ
॥ उ व म या ग न म क
द क व ना म हा न ग या म



ना वज्र मुखं वंध वंध स्वाहा
वलालिवलाह मखि मंध
बंध २ स्वाहा ॥ ॥ आर्य
ममाय ॥ ॥
यं गुरु मातिकाय ॥
मि-समय र गवान ॥ अ
न कय वना ग रु ऊ गंधर्वा

॥ स ॥

सुगन्धगन्धकिन्नरमहावगायसाधारिण्यसमागमव्यूहस्यनिष्ठुकमनिष्ठ
वेवाकुकुरुतिश्रुतिविंसतिनकुजदितिभुयेमात्रामहावजसत्त्वमयालकालं
हाधिश्रुतांसिहासनविक्रमनिष्ठ॥ अनेकधाधिसत्त्वनमोमहासत्त्ववर्जगते
नयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ वज्रधुनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥
वज्रसननयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ वज्रवाहनयनामवाधिसत्त्वनम
हासत्त्वन॥ वज्रवर्गनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ वज्रविक्रान्तनय
नामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ वज्राधियनिनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्व

१३
॥ नि ॥

न॥ वज्रालंकृतनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ वज्रविक्रमसत्त्वनयनाम
वाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ ज्ञानिनवज्रनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥
यमकुरुनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ आर्यावलाकीनसत्त्वनयनामवा
धिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ समंजरुद्रनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ समं
गावलाकिनसत्त्वनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ लाकश्यानयनामवा
धिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ यमकुरुनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ वज्र
कुरुनयनामवाधिसत्त्वनमोमहासत्त्वन॥ विकसितवज्रनयनामवाधिस

॥ ५ ॥

संघात्कालायमादिभ्यो यत्नमस्वाहा ॥ पूर्वदल ॥ ॐ ह्रं ह्राम नविक्रमाय स्वा
हा ॥ श्रीगद्गल ॥ ॐ त्रैलोक्यकृमाय स्वाहा ॥ दक्षिणदल ॥ ॐ वाङ्मयवृक्ष
ययी नव त्राय नमस्वाहा ॥ नैमिषदल ॥ ॐ लाहिन वन निर्गमाय वृक्षस्य न
यत्नमस्वाहा ॥ यन्त्रिमदल ॥ ॐ श्रीसूत्रा न मायशुकाधिय नमस्वाहा ॥ वायुय
दल ॥ ॐ कलवर्नाय सन्निधवाय नमस्वाहा ॥ ॐ लवदल ॥ ॐ लिनाङ्ग स
न्निहाय श्रीमृकषीयाय बाहुव नमस्वाहा ॥ ॐ धर्माङ्ग सन्निहाय धार्मिक न
यत्नमस्वाहा ॥ ॐ सानिवर्गयानिग्रहमासिको नामध्वनि ॥ कार्तिक

१०
॥ नि ॥

मासगुरुयुक्तस्य मिमांस्ययाधिकात्स्न्यायाय नमः ॥ ॐ ह्रं ह्राम नविक्रमाय स्वा
हा ॥ श्रीगद्गल ॥ ॐ त्रैलोक्यकृमाय स्वाहा ॥ दक्षिणदल ॥ ॐ वाङ्मयवृक्ष
ययी नव त्राय नमस्वाहा ॥ नैमिषदल ॥ ॐ लाहिन वन निर्गमाय वृक्षस्य न
यत्नमस्वाहा ॥ यन्त्रिमदल ॥ ॐ श्रीसूत्रा न मायशुकाधिय नमस्वाहा ॥ वायुय
दल ॥ ॐ कलवर्नाय सन्निधवाय नमस्वाहा ॥ ॐ लवदल ॥ ॐ लिनाङ्ग स
न्निहाय श्रीमृकषीयाय बाहुव नमस्वाहा ॥ ॐ धर्माङ्ग सन्निहाय धार्मिक न
यत्नमस्वाहा ॥ ॐ सानिवर्गयानिग्रहमासिको नामध्वनि ॥ कार्तिक

॥ ला ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नाथलाक स्वराय नमः ॥
 राय नमः ॥ ॐ नमो भगवते
 मां नमो नाथलाक स्वराय
 लाक स्वराय नमः ॥ ॐ नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥

स्वरायनम ॥ ओं नमाव ऊ
ओं नमाव ऊ याशिलाक स्व
शिलाक स्वरायनम ॥ ओं न १८
नम ॥ ओं नमाविद्यायनि
मं स्वरादलाक स्वरायनम ॥ क ॥
स्वरायनम ॥ ओं नमाविस्व

का-भा-ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा कृ-नां-जालि-ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा उ-म-भ
ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा म-शू-र-त-ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा सा-भ-ला-क-स्व
वा-य-न-म॥ ओं नमा वि-आ-म-धि-ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा रु-त-ध-नु-ला-क-
स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा अ-क-ध-नु-ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा व-ज्र-ध-नु-ला-क-स्व
वा-य-न-म॥ ओं नमा म-शू-र-त-ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा वि-सु-त-त-ला-क-स्व
वा-य-न-म॥ ओं नमा सू-खा-व-नि-ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा स्यू-सा-र्थ-ला-क-स्व
वा-य-न-म॥ ओं नमा मे-घ-सा-र्थ-वा-ह-ला-क-स्व-वा-य-न-म॥ ओं नमा श्रू-म-ता-ह-ला

॥ ला ॥ क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मू न द दि ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा म हा व ज स स्वः
ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा सिं ह ना द ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ह ला ह ल ला क
स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ध र्म व क ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ष ड ऊ बी स वा य न म
ॐ न मा ष ड धि त ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ऊ ला ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा व १५
मू र्ध्वा ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मू मा य का म ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा क म
ल वं ध ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा धिं द या क ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा का न द ॥ क ॥
वा ह ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा गु म न ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा य सू य मि ला क

स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ला क रा ध ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ला क व व ला क स्व वा
य न म ॥ ॐ न मा नि ग्ग ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मा यां जाल ह वि ह व ला क स्व वा
य न म ॥ ॐ न मा व स न ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा कू ल जाल ला क स्व वा य न म ॥ ॐ
न मा नि ल कं ठ ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मा यां जाल ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा
मि ल द क ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मू र यं क बी ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ध
र्म सें ख ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा नि ग्ग य न ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा व ल न या धी
ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मू गंधी द र्शन ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा य न ला क

॥ लो ॥ स्व वायनम ॥ ॐ नमो गंधर्वित्ताक स्व वायनम ॥ ॐ नमो उ सार्थवाहू लाक स्व
 वायनम ॥ ॐ नमो भूकूल लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो कामि वनाय लाक स्व
 वायनम ॥ ॐ नमो गगं वेद लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो उ व दू लाक स्व वाय
 नम ॥ ॐ नमो सूर्य लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो वि च्छु विन लाक स्व वायनम ॥ २०
 ॥ ॐ नमो गग गं गं लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो भू कां स लाक स्व वायनम ॥ ॐ
 नमो दुर्गती लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो साग व गं ति व लाक स्व वायनम ॥ ॥ कं ॥
 ॐ नमो सिंह ति र्गं ति लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो सिंह वी की दी न लाक

स्व वायनम ॥ ॐ नमो ह व न राय लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो भू ति वि स मा
 धन लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो वि कु व न लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो स न द
 स लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो व ज्ञा स न लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो गुरु गु
 लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो भू का स ग र्ग लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो म य व
 नी लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो भू ति च्छी य व न लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो
 भू स्व ह स लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो स र्व नि व र्ण वि स कं ति लाक स्व वाय
 नम ॥ ॐ नमो ह य क लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो साग व म ति लाक स्व वा

॥ ला ॥ यनम ॥ ॐ नमो धर्म धन लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो गजाधिपति लोक स्व
 वा यनम ॥ ॐ नमो सुमुख लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो बल कीर्ति लोक स्व वा
 यनम ॥ ॐ नमो सकवि लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो यमो न बल लोक स्व वा
 यनम ॥ ॐ नमो हृदीर्ग लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो मय मुख लोक स्व वा २१
 यनम ॥ ॐ नमो विन्द लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो कलवीर लोक स्व वा यन
 म ॥ ॐ नमो धर्मपीठ लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो यदमालकाल लोक स्व वा ॥ क ॥
 यनम ॥ ॐ नमो मीयातृपीय लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो वरुण मूर्ति लोक

ॐ नमो श्री गणेशाय नमः

स्व वा यनम ॥ ॐ नमो वीना वासु लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो इन्दु ती लोक
 स्व वा यनम ॥ ॐ नमो निषियंगव लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो दसकर्मि लोक
 स्व वा यनम ॥ ॐ नमो सर्वह लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो कबला मिला लोक स्व
 वा यनम ॥ ॐ नमो उद्विख लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो मशरुद न लोक स्व
 वा यनम ॥ ॐ नमो सिवका न लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो सासिना लोक
 स्व वा यनम ॥ ॐ नमो खिखिवा लोक वा यनम ॥ ॐ नमो मशिद न लोक
 स्व वा यनम ॥ ॐ नमो कुलक वसन क लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो वदुवीव

॥ ला ॥ लाक स्वरायनमः ॥ ॥ ॥ ॥ लाक स्वरायनमः ॥ ॥ ॥ ॥
लाक स्वरायनमः ॥ ॥ ॥ ॥

२२

॥ क ॥



ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

3/11/2019

1.669

ASHA ARCHIVES